

अनुक्रमणिका

मंगलकामना.....	i
प्रकाशकीय	ii
प्राक्कथन	iii
अनुक्रमणिका	iv
प्रस्तुत सूची में प्रयुक्त संक्षेप व संकेत	v-vi
हस्तप्रत सूचीकरण सहयोग सौजन्य एवं सादर ग्रंथ समर्पण.....	vii-viii
हस्तप्रत सूची	१-४७५
परिशिष्ट : कृति परिवार अनुसार प्रत-पेटाकृति अनुक्रम संख्या.....	४७६-५९६
१. संस्कृत, प्राकृत व अपभ्रंश भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से कृति परिवार सह प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - १.....	४७६-५३२
२. देशी भाषाओं की मूल कृति के अकारादि क्रम से कृति परिवार सह प्रत-पेटाकृति क्रमांक सूची परिशिष्ट - २	५३३-५९६

इस सूचीपत्र में हस्तप्रत, कृति व विद्वान/व्यक्ति संबंधी जितनी भी सूचनाएँ समाविष्ट की गई हैं, उन सबका विस्तृत विवरण व टाइप सेटिंग संबंधी सूचनाएँ भाग 7 के पृष्ठ VI एवं परिशिष्ट परिचय संबंधी सूचनाएँ भाग 7 के पृष्ठ 454 पर हैं. कृपया वहाँ पर देख लें.



प्रस्तुत खंड २२ में निम्नलिखित संख्या में सूचनाओं का संग्रह है.

- * प्रत क्रमांक - ८९३२१ से ९४६५०
- * इस सूचीपत्र में मात्र जैन कृतियों वाली प्रतों का ही समावेश किए जाने के कारण वास्तविक रूप से इस खंड में २७२० प्रतों की सूचनाओं का समावेश हुआ है.
- * समाविष्ट प्रतों में कुल ३३७० कृति परिवारों का समावेश हुआ है.
- * इन परिवारों की कुल ४१७८ कृतियों का इस सूची में समावेश हुआ है.
- * सूची में उपरोक्त कृतियाँ कुल ६३८६ बार आई हैं.